छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर
शैक्षणिक सत्र 2021–22 माह सितम्बर
असाइनमेंट–02
कक्षा – दसवीं
विषय – हिन्दी

पूर्णांक–20

निर्देश :– दिए गए सभी प्रश्नों को निर्देशानुसार हल कीजिए।

Instruction :– Attempt all the questions as per given instructions.

प्रश्न 1 अन्य बच्चों की माँ, बुआएँ तथा दादी–नानी उन्हें घीसा से दूर रहने की हिदायत क्यों देती थी? आज के संदर्भ में क्या ऐसा व्यवहार करना उचित है?

अंक–(1+2=3) शब्दसीमा–50–75

प्रश्न 2 (अ) "माटीवाली" का कंटर किस प्रकार का था?
(ब) "माटीवाली" कहानी के अंत में लोग अपने घरों को छोड़कर क्यों जाने लगे थे?

अंक (2+2=4) शब्दसीमा–75–100

प्रश्न 3 (अ) टैक्स को 'बीमारी' के रुप में देखने का क्या आशय है?
(ब) निम्न शब्दों का समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए।
(i) कोपाकुल (ii) गूढ़ प्रश्न

अंक (2+2=4) शब्दसीमा–75–100

प्रश्न 4 (अ) जब जनता की भौंहे क्रोध में तन जाती हैं, तो क्या–क्या होता है?
(ब) जनता की सहन शीलता के कवि दिनकर जी ने क्या–क्या उदाहरण दिए हैं? लिखिए।

अंक (2+2=4) शब्दसीमा–75–100

प्रश्न 5 अद्योलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए–गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :–

हमारे समाज में बहुत से लोग भाग्यवादी हैं। ऐसे लोग समाज की प्रगति में बाधक होते हैं। आजतक किसी भाग्यवादी ने समाज में कोई महान कार्य नहीं किया। बड़ी–बड़ी खोजे, बड़े–बड़े अविष्कार और बड़े–बड़े निर्माण श्रम के द्वारा ही संपन्न हो सके हैं। हमारे साधन हमारी प्रतिभा श्रम के बिना व्यर्थ है। श्रम करके ही प्रतिभा संपन्न कलाकारों ने देश को विभिन्न कलाओं से सुसज्जित किया, जो आज हमारी धरोहर है।

क्रमशः......02

जब हम अपने कर्तव्य का पालन करने के लिए श्रम करते हैं, तो हमारे मन को एक ऐसी तृप्ति अनुभव होती है, ऐसा आनंद मिलता है, जिसका वर्णन शब्दों से परे है। भला हमें श्रम करना चाहिए। श्रम करने वाले लोग दीर्घजीवी होते हैं, वे समाज का उन्नयन करते हैं, वे देश का उत्थान कर विश्व में अपना व अपने देश का नाम अमर कर जाते हैं।

प्रश्न 1. भाग्यवादी लोग समाज की प्रगति में किस प्रकार बाधक होते है?
प्रश्न 2. हमारे साधन कब व्यर्थ होते है?
प्रश्न 3. प्रतिभासम्पन्न कलाकारों की सफलता का रहस्य क्या है?
प्रश्न 4. हमें श्रम क्यों करना चाहिए?
प्रश्न 5. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए?

अंक–(1×5=5) शब्दसीमा–100–150